27/3/26 पत्रावली आज पेश हुई। वादिनी वकील उपस्थित। मूल वाद का निस्तारण हो चुका है। मूल वाद का निस्तारण होने से प्रार्थना पत्र मिसल से चलाये जाने का कोई औचित्य नहीं होने से मूल वाद के साथ-साथ उक्त प्रार्थना पत्र को इसी स्तर पर दाखिल किया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो रजिस्टर नम्बर से कम हो।

[signature]

Not press
27/3/26